इतिहास (History)

आधुनिक भारत का इतिहास
(History of Modern India)

भारत में युरोपियों का आगमन
(The Arrival of Europeans in India)

पुर्तगाली (Portuguese)	1498 AD
डच (Dutch)	1602 AD
अंग्रेज (British)	1600 AD
डेनिश (Dennish)	1616 AD
फ्रांसीसी (French)	1664 AD

पुर्तगाल	ऐस्तादो-द-इण्डिया	पुर्तगाली ईस्ट इंडिया कंपनी
हॉलैण्ड (Dutch)	वेरिंगदे-ओस्त-इण्डसे-कम्पने	डच ईस्ट इंडिया कंपनी
इंग्लैण्ड	मर्चेन्ट-ऐडवेंचर्स	ईस्ट इंडिया कंपनी
फ्रांस	कम्पने-देस-इण्डेस-ओरियंतलेस	फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी

पुर्तगाली (Portuguese)

वार्थोलोमाडियाज (Bartholomeu Dias)	1488 AD
वास्कोडिगामा (Vasco-da-Gama)	1498,1502 AD
पेड्रो अल्ब्रेज कैब्राल (Pedro Alvares Cabral)	1500 AD
फ्रांसिस-डी-अल्मेडा (Francisco-de-Almeida)	1505-09 AD
अल्फांसो-डी-अल्बुकर्क (Alfonso-de-Albuquergue)	1509-15 AD
नीनो-डी-कुन्हा (Nino da Cunha)	1529-38 AD
गार्सिया-डी-नोरन्हो (Garcia-da-Naranho)	1538-41 AD
मार्टिम अल्फांसो-डी-सूजा (Martim Afonso de Sousa)	1542 AD

वार्थोलोमाडियाज (Bartholomeu Dias)

Bartholomeu Dias, a Portuguese explorer was successful in sailing to the Cape of Good Hope (the southern tip of Africa) in 1498 but the could not reach India.

पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन से वार्थोलोमाडियाज **1486** ई. में चला और **1488** ई. में केप-ऑफ-गुड-होप (उत्तमाशा अंतरीप) की खोज की। लेकिन यह भारत नहीं पहुँच सका।

वास्कोडिगामा (Vasco-da-Gama)

A Portuguese explorer named Vasco-da-Gama (the first European to do so) discovered a sea route to India in the year 1498. He came to India via Cape of Good Hope (Africa) led by Abdul Majeed (a Gujarati pilot).

युरोपियों में सबसे पहले पुर्तगाल के वास्को-डी-गामा नामक व्यक्ति ने **1498** ई. में भारत पहुँचने के समुद्री मार्ग की खोज की। यह केप-ऑफ-गुड-होप (अफ्रीका) के रास्ते से होते हुए एक गुजराती पथ प्रदर्शक अब्दुल मजीद की सहायता से भारत के केरल के कालीकट में पहुँचा।

Upon reaching Portugal, he was greatly admired and appreciated for his cargo, which he sold at 60 times higher profit after subtracting the cost of his voyage.

वास्को-डी-गामा जब वापस पुर्तगाल गया तो उसने भारतीय समानों को बेचकर **60** गुना लाभ कमाया। अतः एक के बाद एक कई व्यापारियों का भारत आगमन हुआ।

Vasco-da-Gama again came to India in 1501-02, this time with the purpose of establishing a factory.

वास्को-डी-गामा भारत में पुनः **1501-02** में आया और इस बार उसका उद्देश्य भारत में पुर्तगाली फैक्टरी की स्थापना करना था।

In 1503, the Portuguese under Vasco-da-Gama established their first factory at Calicut. Though, their relations with the Zamorin soured a little, but he eventually managed to establish the second factory at Cannanore (Kannur, Kerala) in 1505.

1503 ई. में पुर्तगालियों ने अपनी पहली फैक्टरी कालीकट में खोली जिसे जमोरिन द्वारा बाद में बंद करवा दिया गया। अतः पुर्तगालियों ने कोचीन के पास अपनी पहली व्यापारिक कोठी बनायी। उसके बाद **1505** ई. में पुर्तगालियों ने अपनी दूसरी फैक्टरी कन्नूर में लगायी।

पेड्रो अल्ब्रेज कैब्राल **(Pedro Alvares Cabral)**

Cabral was the second Portuguese after Vasco-da-Gama to reach Indian in September, 1500.

1500 ई. में वास्को-डी-गामा के बाद दूसरा पुर्तगाली यात्री पेड्रो अल्ब्रेज कैब्राल अपने जहाजी बेडे के साथ भारत आया।

फ्रांसिस-डी-अल्मेडा **(Francisco-de-Almeida)**

Almedia assumed the charge of governorship for a three year term in 1505 and he made Cochin his headquarter.

अल्मेडा भारत में पहला पुर्तगाली वायसराय बनकर आया। इसने अपना मुख्यालय कोचीन को बनाया।

During his tennure as the governor, he wanted to make the Portuguese, Masters of the Indian Ocean. For this purpose, he adopted Blue Water Policy.

अपने कार्यकाल के दौरान भारत पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए तथा हिन्द महासागर पर मजबूत पकड़ करने के लिए इसने एक सामुद्रिक नीति का संचालन किया जिसे 'नीले जल की नीति' या 'ब्लू वॉटर पॉलिसी' कहते है।

Battle of Chaul(1508)– Portuguese were defeated by alliance of rulers of Turkey, Egypt and Gujarat.

चोल से युद्ध **(1508)– 1508** में चौल के युद्ध में गुजरात के शासक से अल्मेडा हार गया। अल्मेडा के खिलाफ तुर्क, मिस्र और गुजरात का त्रिगुट लग रहा था।

Battle of Diu(1509)– Portuguese won against the alliance of rulers of Egypt, Gujarat and Zamorin of Calicut.

1509 ई. दीव के युद्ध में अल्मेडा में मिस्र, तुर्की और गुजरात के त्रिगुट को हरा दिया।

अल्फांसो-डी-अल्बुकर्क **(Alfonso-de-Albuquergue)**

He was the real founder of Portuguese power.

इसे पुर्तगाली साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक कहा जाता है।

He acquired Goa from the Sultan of Bijapur in 1510.

इसने **1510** ई. में बीजापुर के शासक आदिलशाह से गोवा को छीन लिया।

He also captured Bhatkal (Karnataka) from Krishna Dev Raya of the Vijayanagara Kingdom.

इसने विजयनगर के शासक कृष्ण देव राय से पुर्तगालियों को भटकल (कर्नाटक) में दुर्ग बनाने की इजाजत ली।

He encouraged the Portuguese to look Indian as home and marry Indian women.

इसने पुर्तगालियों को भारतीय स्त्रियों से विवाह करने के लिए प्रोत्साहित किया।

Abolition of Sati in territories under his administration was an important feature of his tenure.

इसने अपने कार्यकाल में अपने सीमा क्षेत्र में सती प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया।

The Cartaz System was introduced by Albuquerque in order to establish monopoly over the Indian Ocean. Through this, the Portuguese established their stronghold over the sea routes in India.

अल्बुकर्क ने हिन्द महासागर और समुद्र पर एकाधिकार स्थापित करने के लिए कार्टेज पद्धति की शुरुआत की। इस पद्धति से पुर्तगालियों का समुद्री मार्गो पर मजबुत नियंत्रण स्थापित हो गया।

Cartaz System (कार्टेज पद्धति)

It was a system of granting licence or pass through which the Portuguese forced all the merchant ships to buy a licence on passing through their territories. Otherwise, ships and goods were confiscated.

कार्टेज पद्धति एक तरह की लाईसेंस थी जो विभिन्न व्यापारियों को अपने जहाजों को समुद्र के रास्ते से बाहर निकालने के लिए लिया जाता था। पुर्तगालियों ने कार्टेज पद्धति से बहुत पैसा कमाया।

Even Mughals had to pay tax to the Portuguese for passing their ships through the Portuguese controlled territories.

मुगल शासकों को भी कार्टेज पद्धति के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों से अपने जहाजों को सुरक्षित लाने

के लिए पुर्तगालियों से लाईसेंस लेना पड़ता था।

नीनो-डी-कुन्हा **(Nino da Cunha)**

Cunha became the governor in 1529. He shifted the Portuguese headquarters from Cochin to Goa in 1530.

कुन्हा **1529** में पुर्तगाली वायसराय बनकर भारत आया। इसने पुर्तगालियों का मुख्यालय कोचीन की जगह गोवा को बनाया **(1530).**

Sultan Bahadur Shah of Gujarat ceded the Island of Bessein to him in 1534.

इसने गुजरात के शासक बहादुरशाह की हत्या कर दी। इसने बसीन **(1534)** तथा दीव **(1535)** पर कब्जा कर लिया।

गार्सिया-डी-नोरन्हो **(Garcia-da-Naranho)**

1538 में भारत आया। इसने श्रीलंका/सिलोन के अधिकांश भागो पर कब्जा कर लिया

मार्टिम अल्फांसो-डी-सूजा **(Martim Afonso de Sousa)**

1542 में भारत आया। इसके साथ प्रसिद्ध ईसाई संत सेट जेवियर भारत आये।

पुर्तगालियों का योगदान **(Contribution of Portuguese)**

ये भारत में तम्बाकु, आलु, टमाटर, काजू, मक्का, पपीता इत्यादि लाये।

भारत में प्रिटिंग प्रेस की शुरुआत पुर्तगालियों ने की।

भारत में जहाज निर्माण तकनीकी, गोथिक स्थापत्य कला शैली पुर्तगाली लेकर आये।

पुर्तगालि स्वयं को सागर का स्वामी कहते थे।

पुर्तगालियों ने भारत और जापान के बीच व्यापारिक संबंधों को स्थापित किया।

पुर्तगाली लोग चटगाँव बन्दरगाह को महान बन्दरगाह कहते थे।

भारत में सबसे पहले पुर्तगाली आये और सबसे बाद में गये।

अकबर के आदेश पर पुर्तगालियों ने हुगली में फैक्ट्री स्थापित किया।

गोवा, दमन, दीव पर पुर्तगालियों ने **1961** ई तक नियंत्रण किया था। सैनिक कार्यवाही के द्वारा भारत ने इसे स्वतंत्र कराया।

पुर्तगालियों ने भारत और जापान के बीच व्यापारिक संबंधो की शुरुआत की।

☞ **(Udai Singh founded the city of Udaipur)**

उदयसिंह ने उदयपुर शहर की स्थापना की।

☞ **Udai Singh's first wife was Jai Banta Bhai from whom Maharana Pratap was born.**

उदय सिंह की पहली पत्नी जयवंताबाई थी जिनसे महाराणा प्रताप पैदा हुए।

☞ **Udai Singh's second wife was Sajja Bai Solanki from whom Shakti Singh and Vikram Singh was born.**

उदय सिंह की दूसरी पत्नी का नाम सज्जा बाई सोलंकी था जिनसे शक्ति सिंह और विक्रम सिंह पैदा हुए।

☞ **Udai Singh had another wife Dheerbai from whom Jagmal Singh, Chand Kanwar and Man Kanwar was born.**

उदय सिंह की एक अन्य पत्नी धीरबाई थी जिनसे जगमाल सिंह, चांद कनवर तथा मन कनवर पैदा हुए।